



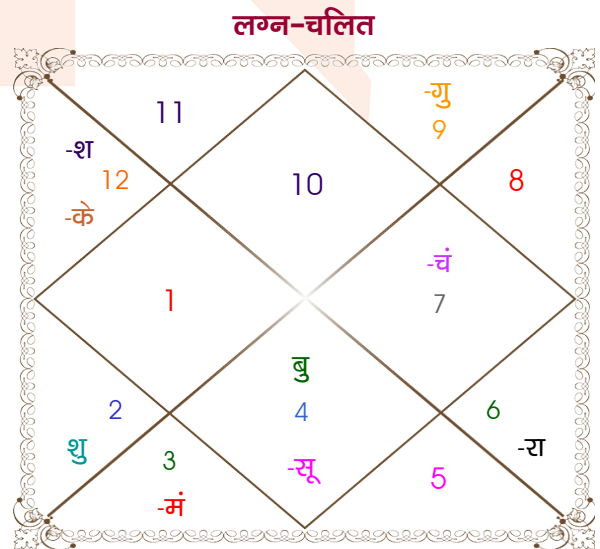
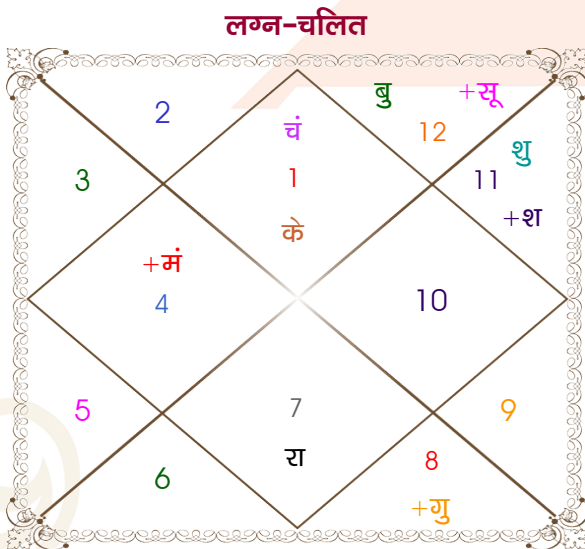
Mr.....



Ms Anu

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 02/04/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 24/07/1996
 रविवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 07:05:00 : _____ जन्म समय _____ : 20:17:00 घंटे
 घटी 01:54:03 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 36:22:18 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Bhatinda : _____ स्थान _____ : Simla
 30:10:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 31:06:00 उत्तर
 74:58:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:10:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:30:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:19:22 : _____ सूर्योदय _____ : 05:33:21
 18:48:55 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:21:50
 23:47:36 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:37

विंशोत्तरी केतु 1वर्ष 5मा 9दि चन्द्र		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 1वर्ष 7मा 11दि शनि	
	10/09/2022	10:35:07	मेष	सूर्य	तुला	18:48:15		06/03/2014
	10/09/2032	19:47:00	मेष	चंद्र	मिथु	05:24:35		06/03/2033
चन्द्र	12/07/2023	05:45:20	मीन	बुध	कर्क	22:15:39	शनि	09/03/2017
मंगल	10/02/2024	21:35:22	वृश्चि व	गुरु व	धनु	16:29:10	बुध	17/11/2019
राहु	11/08/2025	12:01:01	कुंभ	शुक्र	वृष	25:59:00	केतु	26/12/2020
गुरु	11/12/2026	24:28:28	कुंभ	शनि व	मीन	13:33:44	शुक्र	25/02/2024
शनि	11/07/2028	11:49:18	तुला व	राहु व	कन्या	16:48:12	सूर्य	06/02/2025
बुध	10/12/2029	11:49:18	मेष व	केतु व	मीन	16:48:12	चन्द्र	08/09/2026
केतु	11/07/2030	06:13:19	मक	हर्ष व	मक	08:49:22	मंगल	17/10/2027
शुक्र	11/03/2032	01:34:22	मक	नेप व	मक	02:23:45	राहु	23/08/2030
सूर्य	10/09/2032	06:34:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:36:06	गुरु	06/03/2033



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	महिष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr..... का वर्ग मृग है तथा Ms Anu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr..... और Ms Anu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr..... मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः ।
कुजदोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr..... कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः ।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr..... कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms Anu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms Anu कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr..... तथा Ms Anu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

